राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 99, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

चार बीघा सरकारी जमीन से कब्ज़ा जमींदोज पांच करोड़ की जमीन कराई खाली..03

एंबुलेंस ड्राइवरों की समस्या का हल नहीं तो महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव..04

महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल, फडणवीस-उद्धव ठाकरे की बंद कमरे में हुई मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात

महाराष्ट्र विधानसभा में आज एक अहम राजनीतिक हलचल देखने को मिली, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच एक बंद कमरे में मुलाकात हुई। यह बैठक विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कक्ष में करीब 20 मिनट तक चली, जिसमें उद्धव ठाकरे के साथ उनके बेटे आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब एक दिन पहले ही देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को सत्ता पक्ष में शामिल होने का न्योता दिया था। सूत्रों के मुताबिक, इस मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद, राज्य में तीन-भाषा नीति और अन्य राजनीतिक मुद्दे शामिल थे।

राज्य में बन रहे नए राजनीतिक समीकरण?

हालांकि दोनों नेताओं की ओर से इस मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन यह मुलाकात महाराष्ट्र की राजनीति में संभावित नए समीकरणों के संकेत के तौर पर देखी जा रही है।

फडणवीस ने दिया था उद्धव को सत्ता में शामिल होने का प्रस्ताव

गौरतलब है कि बुधवार को ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में अपने पुराने साथी रहे उद्धव ठाकरे को सत्ता पक्ष में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि इस प्रस्ताव पर सदन में कुछ हल्की-फुल्की चुटकियाँ ली गईं, लेकिन शिवसेना (BT) प्रमुख ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। फडणवीस के इस ऑफर पर बाद में उद्धव ठाकरे ने मीडिया से कहा, "कुछ बातों को मजाक में लेना चाहिए।"

फडणवीस का पूरा बयान

दरअसल, देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे के कार्यकाल के खत्म होने पर आयोजित विदाई समारोह के दौरान यह बयान दिया था। सीएम ने उद्धव ठाकरे को सत्ता पक्ष में शामिल होने का प्रस्ताव देते हुए कहा था, "देखिए उद्धव जी, 2029 तक हमारे वहां (विपक्ष में) आने का कोई स्कोप नहीं है, लेकिन आप यहां (सत्ता पक्ष) आ सकते हैं, इस पर विचार किया जा सकता है।"उन्होंने यह भी कहा, "हम वहां जाएं, यह ऑप्शन अब बचा नहीं है।" फडणवीस ने यह भी कहा कि अंबादास दानवे चाहे जहां भी हों (पक्ष या विपक्ष) लेकिन उनके वास्तविक विचार राष्ट्रवादी हैं।

महाराष्ट्र का बदलता राजनीतिक समीकरण

फडणवीस का यह बयान ऐसे वक्त में आया, जब महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधनों और टकरावों का दौर जारी है। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा और शिवसेना (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में) के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर मतभेदों के कारण गठबंधन टूट गया था। इसके बाद उद्धव ने महाविकास अघाड़ी (M VA) बना कर सरकार बनाई थी। हालांकि, 2022 में एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव की सरकार गिर गई थी। इसके बाद बीजेपी के समर्थन से एकनाथ शिंदे ने सरकार बनाई थी।

निमिषा प्रिया की होने वाली फांसी को रोकने और रिहाई के लिए कानूनी प्रयास तेज, विदेश मंत्रालय हुआ सक्रिय

स्वतंत्र प्रभात

यमन में फांसी की सजा से बरी हुई निमिषा प्रिया की रिहाई के लिए कानूनी और कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। फांसी की सजा स्थगित होने के बाद अब उनके लिए वरिष्ठ वकील सुभाष चंद्रन को नियुक्त किया गया है, जो निमिषा प्रिया और उनके परिवार को कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। सुभाष चंद्रन ने बताया कि जेल से उनकी रिहाई के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। यमन में शरिया कानून के तहत हत्या के लिए मौत की सजा तय है, लेकिन इसमें 'ब्लड मनी' का विकल्प भी मौजूद है। इसके तहत मृतक के परिवार को मुआवजा देकर माफी दिलाई जा सकती है। इसके अलावा बिना ब्लड मनी के भी माफी मिलने की संभावना बनी हुई है। भारत सरकार ने भी इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाई है। विदेश राज्य मंत्री रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्होंने निमिषा के परिवार को मृतक पक्ष से समझौता करने के लिए और समय दिलाने की विशेष कोशिश की है। यमन के अधिकारियों ने 16 जुलाई 2025 को होने वाली सजा को फिलहाल स्थगित कर दिया है। सरकार इस मामले पर लगातार नजर रखे हुए है और मित्र देशों के साथ भी संपर्क बनाए हुए है।

परिवार को मनाने की कोशिश जारी

मृतक यमनी नागरिक तलाल अब्दो

महदी के परिवार ने निमिषा को फांसी की सजा देने की मांग की है, लेकिन माफी के लिए मनाने की कोशिशें भी जारी हैं। ऑल इंडिया जमीयतुल उलेमा के महासचिव और सुन्नी नेता कंथापुरम ए.पी. अबूबकर मुसलियार ने अपने यमनी सूफी विद्वान मित्र शेख हबीब उमर बिन हाफिज के माध्यम से मध्यस्थता की, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसी के चलते यमन सरकार ने फांसी की सजा स्थगित की है। मुसलियार ने कहा कि तलाल के परिवार से माफी के लिए बातचीत जारी है, हालांकि उनके मन में बदले की भावना भी है। निमिषा प्रिया केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की निवासी हैं। उन्हें जुलाई 2017 में यमन में एक नागरिक की हत्या का दोषी पाया गया था। वर्ष 2020 में यमन की अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। नवंबर 2023 में यमन की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने उनकी अपील खारिज कर दी थी। वह फिलहाल यमन की राजधानी सना की जेल में बंद हैं, जो ईरान समर्थित हूती समूह के नियंत्रण में है।

यू.पी. पुलिस का शर्मनाक कारनामा- रेप पीड़िता से दारोगा और सिपाही ने की अश्लील चैट

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से एक बहुत ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिसमें एक नाबालिग लड़की को रेप का शिकार बनाने के बाद उसकी शिकायत करने पर पुलिसवालों की हरकतें भी चर्चा में आ गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मामला इस तरह है कि रामपुर की एक नाबालिग लड़की ने अपनी मां के साथ मिलकर पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके 2 सगे भाइयों ने उसके साथ रेप किया है। इस शिकायत को अब IGRS पोर्टल पर भी दर्ज कराया गया था।

जांच के बहाने लिया नंबर, फिर शुरू की अश्लील चैटिंग और कॉल

बताया जा रहा है कि जब पुलिस की टीम लड़की के घर पहुंची तो इस दौरान एक दारोगा उदयवीर सिंह और एक सिपाही सरफराज की गलत हरकतें सामने आईं। दरअसल, दारोगा ने पीड़िता का मोबाइल नंबर ले लिया। फिर उसने Whatsapp पर लड़की को कॉल कर अश्लील बातें करनी शुरू कर दीं। इसके अलावा, दोनों ने मिलकर लड़की के साथ अश्लील चैट भी की। जब लड़की ने इन बातों का विरोध किया, तो पुलिसकर्मी उसकी और उसकी मां की बात नहीं सुनें। उल्टा, हल्के-फुल्के तौर पर तैनात सिपाही सरफराज को लड़की का मोबाइल देने का जिम्मा सौंपा गया। सिपाही ने लड़की का मोबाइल लेकर उसकी Whatsapp चैट और कॉल का डिटेल मिटा दी। साथ ही, लड़की और उसकी मां को धमकी भी दी।

विरोध करने पर सिपाही ने जबरन डिलीट कराए सबूत

यह सारी घटना जब एसपी रामपुर के पास पहुंची तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। एसपी ने आरोपी दारोगा उदयवीर सिंह और सिपाही सरफराज दोनों को निलंबित कर दिया है। इन दोनों पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने शिकायत करने वाली लड़की के साथ गलत हरकतें कीं और उसकी बातें और चैट डिलीट कर दीं। रामपुर पुलिस ने इन दोनों की निलंबन की जानकारी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर भी दी है। साथ ही, एसपी ने इस मामले की पूरी जांच सीओ शाहबाद को सौंपी है।

एसपी ने तुरंत लिया संज्ञान, दारोगा और सिपाही निलंबित

यह मामला बहुत गंभीर है और पुलिस की इस तरह की हरकतें बहुत ही निंदनीय हैं। पुलिस अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता लड़की और उसकी मां के साथ गलत बर्ताव किया। इस घटना से यह भी पता चलता है कि पुलिस विभाग में भी सुधार की जरूरत है और ऐसी हरकतों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

गौशाला में सोया हुआ था किसान...तभी आए बदमाश और धारदार हथियार से कर दी हत्या, मची-चीख पुकार

बिहार में रोहतास जिले के अमझोर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक किसान की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि अमरा गांव निवासी और किसान पारसनाथ सिंह (52) अपने गौशाला में सोए हुए थे तभी अपराधियों ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

कैलिफोर्निया बुलेट ट्रेन को ट्रंप सरकार का झटका, 4 अरब डॉलर की फंडिंग ली वापस

ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया की बुलेट ट्रेन परियोजना की धनराशि वापस ले ली है, जिससे इस बात को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है कि राज्य प्रशासन सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस के बीच इस परियोजना के अपने पुराने वादे को कैसे पूरा कर पाएगा। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि वह इस परियोजना की चार अरब अमेरिकी डॉलर की राशि वापस ले रहा है। हालांकि, उसने कुछ सप्ताह पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे। परियोजना के लिए एक-चौथाई से भी कम राशि संघीय सरकार की ओर से दी गई थी जबकि शेष धनराशि राज्य सरकार ने मुहैया कराई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और परिवहन मंत्री सीन डफी, दोनों ने इस परियोजना की कड़ी आलोचना की और इसे ''कहीं नहीं जाने वाली ट्रेन' बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, 'जिस रेलमार्ग का हमसे वादा किया गया था, वह आज तक नहीं बना और कभी बनेगा भी नहीं। इस परियोजना की लागत बहुत अधिक है और यह नियमों के पचड़ों में फंस चुकी है..."

गृह मंत्री अमित शाह बोले- मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत 11वें से चौथे नंबर पर...

स्वतंत्र प्रभात

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को जयपुर के निकट दादिया में आयोजित सहकारिता एवं रोजगार सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति और सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर फोकस

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा, "मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत 11वें नंबर से आगे बढ़कर चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है।"उन्होंने देश की सुरक्षा में आए बदलावों पर भी जोर दिया। शाह ने कहा कि पहले कांग्रेस के शासनकाल में आए दिन आतंकी हमले होते

थे और कोई ठोस जवाब नहीं दिया जाता था, लेकिन अब मोदी सरकार में "हम आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देते हैं।"

हाल ही में पहलगाम में हुए हमले का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, "अभी पहलगाम में हमला हुआ। हमने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तानी आतंकवादियों के परखच्चे उड़ा दिए।" उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से भारत ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि वह अपने नागरिकों पर हमला बर्दाश्त नहीं करेगा। शाह ने राजस्थान की धरती को "वीरता, देशभक्ति और धर्म संरक्षण की भूमि" बताया और महाराणा प्रताप सहित अनेक वीरों को नमन किया।

राजस्थान और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान

अमित शाह ने आगे कहा कि जब भी देश की सुरक्षा की बात आती है, तो उसमें सबसे ज्यादा योगदान राजस्थान के युवाओं का होता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में आज हमारा भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है. राजस्थान की पहचान ऊंटों से होती है और केंद्र सरकार ने उनके रखरखाव के लिए भी काम किया है। शाह ने पेपर लीक की समस्या पर भी बात की, जिससे राजस्थान लंबे समय से त्रस्त था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद "हमने पेपर लीक माफियाओं पर नकेल कसी है।"

बांग्लादेश में हिंदू घरों पर सेना और कट्टरपंथियों का अटैक

● अगवा कर ले गए 4 लड़कियां, हमले में 12 हिंदुओं की मौत

स्वतंत्र प्रभात

बांग्लादेश के गोपालगंज जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। मंगलवार रात कर्फ्यू लागू होने के बाद बांग्लादेश आर्मी ने जमात-ए-इस्लामी के आतंकियों के साथ मिलकर हिंदू घरों पर हमला कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 12 हिंदू समुदाय के लोगों की हत्या कर दी गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया और हमलावरों ने कई हिंदू परिवारों के घरों को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर चार हिंदू लड़कियों को भी जबरन अपने साथ ले गए जिनका अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। हमले का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसे लेकर कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और बड़ी संख्या में हिंदू परिवार सुरक्षित जगहों की तलाश में पलायन कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक बांग्लादेश सरकार की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। गोपालगंज वही इलाका है जो प्रधानमंत्री शेख हसीना का गृह जिला माना जाता है। हालिया दिनों में वहां नेशनल सिटिजन पार्टी और अवामी लीग के बीच टकराव के बाद पहले ही हिंसा भड़क चुकी थी, जिसके चलते प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया था।इस ताजा हमले से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से जल्द से जल्द लापता लड़कियों को ढूंढने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि गोपालगंज जिले में बुधवार को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और नेशनल सिटिजन पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार झड़पें हुई, जिसमें अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं। सबसे अहम बात यह है कि यह इलाका शेख हसीना का गृह जनपद माना जाता है यहीं उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेशनल सिटिजन पार्टी की रैली को रोकने के लिए अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने रास्तों में पेड़ काटकर डाल दिए और हथियारों के साथ घेराबंदी की। कई सरकारी वाहनों में आग भी लगा दी गई। आरोप है कि इसके बाद रैली स्थल पर भी हमला किया गया। झड़पों के दौरान सुरक्षाबलों की ओर से भी गोलीबारी हुई।

15 करोड़ की योजना में 150 करोड़ का फर्जी बिल... C M रेखा बोलीं- पूर्ववर्ती सरकारों के 'भ्रष्टाचार के अड्डों 'को खत्म कर देंगे

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्ववर्ती सरकारों के समय रहे "भ्रष्टाचार के सभी अड्डों" को खत्म करने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया। उनका यह बयान उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की "जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना" में कथित भ्रष्टाचार की जांच के आदेश देने के एक दिन बाद आया है। वर्ष 2018 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी कोचिंग संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना था। हालांकि, इस साल फरवरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत नई सरकार बनने के बाद इस योजना को बंद कर दिया गया था। एक कार्यक्रम में जब इस मामले की जांच के लिए जारी निर्देशों के बारे में पूछा गया तो गुप्ता ने कहा, "अगर आप किसी योजना के लिए 15 करोड़ रुपए आवंटित करते हैं और फिर 150 करोड़ रुपए के बिल जमा करते हैं, तो काम कैसे चलेगा? हम पूर्ववर्ती सरकारों के मौजूद भ्रष्टाचार के अड्डों को खत्म कर देंगे।"उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता की "कड़ी मेहनत की कमाई" बर्बाद नहीं होगी।

टेक-ऑफ से पहले फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, लखनऊ से दुबई जा रही थी फ्लाइट

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- राजधानी के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दुबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-193 में उड़ान से ठीक पहले तकनीकी खामी सामने आई। पायलट ने इंजन में संभावित गड़बड़ी की जानकारी देते हुए विमान उड़ाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद करीब 160 यात्रियों को फ्लाइट से उतारना पड़ा। विमान सुबह 9:45 बजे दुबई के लिए रवाना होने वाला था। टेक-ऑफ से पूर्व की नियमित जांच के दौरान पायलट को इंजन में संभावित दिक्कत का संकेत मिला। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पायलट ने तत्काल एयरलाइंस प्रबंधन को सूचित किया और उड़ान रद्द कर दी गई।

यात्रियों का फूटा गुस्सा, तीन घंटे तक इंतजार

फ्लाइट के रद्द होने के बाद यात्रियों को टर्मिनल पर लौटा दिया गया। इनमें से कई यात्री दुबई से अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने वाले थे। असमंजस और लंबे इंतजार के कारण यात्रियों में गुस्सा देखने को मिला। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया के जरिए नाराजगी जाहिर करते हुए सवाल उठाए कि यदि तकनीकी समस्या पहले से थी तो बोर्डिंग क्यों कराई गई। यात्रियों का कहना है कि एयरलाइंस द्वारा शुरुआत में स्पष्ट सूचना नहीं दी गई और उन्हें करीब तीन घंटे तक अनिश्चितता में रखा गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस का बयान

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी कर कहा, "फ्लाइट IX-193 को टेक-ऑफ से पहले पायलट द्वारा इंजन में संभावित खराबी की सूचना दी गई। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उड़ान को रोका गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। वैकल्पिक यात्रा प्रबंध किए जा रहे हैं।"

DGCA ने लिया संज्ञान, मांगी रिपोर्ट

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGC) ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। तकनीकी खामी की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर में छांगुर बाबा के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, भतीजा मोहम्मद सब्रोज गिरफ्तार- ATS की FIR में था नाम दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में विवादों में घिरे जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के नजदीकी लोगों पर सुरक्षा एजेंसियां लगातार शिकंजा कस रही हैं। गुरुवार देर रात 1 बजे स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने उनके भतीजे मोहम्मद सब्रोज को गिरफ्तार कर लिया। सब्रोज उतरौला थाना क्षेत्र के रेहरा माफी गांव का निवासी है, जहां छांगुर बाबा ने अपनी पत्नी को 2 बार चुनाव लड़वाया था। मिली जानकारी के मुताबिक, एसटीएफ की टीम गुरुवार रात लगभग 1 बजे उतरौला बस स्टॉप पर पहुंची, जहां सब्रोज मोटरसाइकिल पर खड़ा था। टीम ने उसे रोककर पूछताछ शुरू की और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। मोहम्मद सब्रोज का नाम पहले से ही एटीएस की एफआईआर में दर्ज था। इस गिरफ्तारी के बाद छांगुर बाबा के नेटवर्क के अन्य सहयोगियों के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। एसटीएफ पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

एटीएस गवाह पर हमला

इससे पहले अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान ना बदलने पर छांगुर बाबा के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर

हमला किया था। हरजीत को बुरी तरह से पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरजीत कश्यप ग्राम रसूलाबाद के निवासी हैं और उन्होंने छांगुर पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया था। हरजीत के अनुसार, छांगुर के गुर्गों रियाज, कमालुद्दीन और नव्वाब ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि रसूलाबाद गांव पाकिस्तान जैसा है, और यहां रहकर मुसलमानों से बगावत करने पर उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। साथ ही धमकी दी कि योगी सरकार के बाद उनकी कार्रवाई की जाएगी।

बयान देने के बाद हुई मारपीट

हरजीत ने बताया कि उन्होंने 3 जुलाई को लखनऊ में छांगुर बाबा के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में बयान दिया था। इसके बाद 7 जुलाई को वे दवा लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जा रहे थे, तभी उतरौला चौराहा के पास तीनों आरोपियों ने उन्हें रोककर पीटना शुरू कर दिया और 24 घंटे के अंदर लखनऊ जाकर बयान बदलने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक उतरौला कोतवाली अवधेश राज सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

छांगुर के करीबी की तलाश

एटीएस की टीम बीते मंगलवार रात गोंडा के धानेपुर क्षेत्र के रेतवागाड़ा गांव में छांगुर बाबा के एक करीबी की तलाश में पहुंची। जांच के दौरान रमजान नाम के शख्स का नाम सामने आया। वह कव्वाली कार्यक्रमों में ढोलक बजाता था और इसी सिलसिले में उसकी मुलाकात छांगुर से हुई थी। कहा जाता है कि छांगुर ने रमजान को धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। ग्रामीणों के अनुसार रमजान की 2024 में मौत हो गई। एटीएस ने रमजान के नाम वाले एक अन्य व्यक्ति के बारे में भी जानकारी जुटाई है। प्रशासन इस पूरे मामले में सतर्क है और छांगुर बाबा के खिलाफ कार्रवाई तेज कर रहा है।

आकड़ों में दबती ममता: मातृ मृत्यु दर में देश में अव्वल मध्य प्रदेश

[गर्भवती महिलाओं की अधूरी यात्रा: मध्य प्रदेश की मातृ मृत्यु की सच्चाई]

मध्य प्रदेश, जहां मातृत्व का पवित्र बंधन जीवन का अनमोल आशीर्वाद है, आज एक दुखद सच्चाई से जूझ रहा है। हर साल लाखों माताएं गर्भावस्था का सफर उम्मीदों और सपनों के साथ शुरू करती हैं, लेकिन कई के लिए यह अधूरा रह जाता है। मां की गोद, जो जीवन का प्रतीक होनी चाहिए, कभी-कभी मौत की ठंडी चादर से ढक जाती है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर देश में सर्वाधिक है–प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 159, जो राष्ट्रीय औसत 88 से कहीं अधिक है। यह आंकड़ा न केवल चिंताजनक है, बल्कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर गंभीर सवाल उठाता है। उच्च शिशु मृत्यु दर के बोझ तले दबा मध्य प्रदेश अब मातृ मृत्यु दर में भी शीर्ष पर है। यह त्रासदी माताओं और उनके परिवारों के साथ-साथ पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है कि हमें अपनी प्राथमिकताओं और व्यवस्थाओं को तुरंत सुधारना होगा। एसआरएस 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 159 प्रति लाख जीवित जन्मों पर आई है–14 अंकों की कमी। यह प्रगति सराहनीय है, मगर यह कटु सत्य कि प्रदेश अभी भी देश में सर्वाधिक मातृ मृत्यु दर के साथ शीर्ष पर है, हमें गहरे चिंतन के लिए विवश करता है। हर साल, करीब 20 लाख गर्भवती महिलाओं में से 3100 से अधिक अपने नवजात के जन्म के 42 दिनों के भीतर जीवन से हाथ धो बैठती हैं। यह आंकड़ा महज संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की टूटी उम्मीदों और अपूरणीय क्षति की मार्मिक कथा है। ये माताएं केवल अपने बच्चों का भविष्य नहीं, बल्कि समाज की आधारशिला हैं। उनकी मृत्यु सिर्फ व्यक्तिगत शोक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक ताने-बाने का विघटन है। मातृ मृत्यु के पीछे प्रमुख कारण स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और उनकी निम्न गुणवत्ता है। प्रदेश के लेबर रूम और मैटरनिटी ऑपरेशन थिएटर (ओटी) अक्सर अपर्याप्त और असुविधाजनक हैं। उदाहरणस्वरूप, लेबर रूम के लिए निर्धारित 152 अंकों के मूल्यांकन में कई अस्पताल 30 से 95 प्रतिशत के बीच ही स्कोर कर पाते हैं, जो बुनियादी सुविधाओं और मानकों के अभाव को उजागर करता है। इसके अलावा, गायनकोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों और शिशु रोग विशेषज्ञों की भारी कमी के चलते सीजेरियन डिलीवरी जैसी आपातकालीन सेवाएं कई अस्पतालों में अनुपलब्ध हैं। प्रदेश में फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू), जहां सीजेरियन सुविधा अनिवार्य है, मात्र 150 के आसपास हैं–यह संख्या इतनी कम है कि अधिकांश गर्भवती महिलाएं समय पर इन तक नहीं पहुंच पातीं। मातृ मृत्यु के प्रमुख कारणों में एनीमिया, उच्च रक्तचाप और प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पीपीएच) हैं–ऐसी समस्याएं, जिन्हें समयबद्ध और प्रभावी चिकित्सा हस्तक्षेप से रोका जा सकता है। किंतु मध्य प्रदेश में प्रसव पूर्व जांचों की गुणवत्ता और उपलब्धता गंभीर रूप से अपर्याप्त है। अक्सर गर्भवती महिलाओं की नियमित जांचें लापरवाही का शिकार हो जाती हैं। उदाहरण के लिए, रक्तचाप की जांच के नाम पर केवल 120/80 लिखकर खानापूरी कर दी जाती है, जबकि वास्तव में महिला का रक्तचाप खतरनाक स्तर पर हो सकता है। हीमोग्लोबिन की जांच भी प्रायः उपेक्षित रहती है, जिसके चलते प्रसव के समय एनीमिया की गंभीर स्थिति सामने आती है। जब कोई प्रसूता अस्पताल पहुंचती है, तो उसका हीमोग्लोबिन स्तर तीन-चार ग्राम तक गिर चुका होता है, जिससे उसका जीवन बचाना लगभग असंभव हो जाता है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी को उजागर करती है, बल्कि स्वास्थ्य कर्मियों की जवाबदेही और प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) जैसे कार्यक्रमों के बावजूद, मध्य प्रदेश में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में क्षेत्रीय असमानताएं चिंताजनक रूप से स्पष्ट हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी, और आपातकालीन प्रसूति देखभाल तक पहुंच की अनुपस्थिति मातृ मृत्यु दर को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण प्रसूताओं को अक्सर उचित परिवहन के बिना लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय पर चिकित्सा सहायता मिलना दुरूह हो जाता है। इसके उलट, शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं अपेक्षाकृत बेहतर हैं, पर वहां भी संसाधनों और विशेषज्ञों की कमी बाधा बनी हुई है। मातृ मृत्यु समीक्षा (मैटरनल डेथ रिव्यू) के आधार पर व्यवस्थागत सुधार की दिशा में ठोस कदमों का अभाव इस संकट को और गहराता है, जो तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (2018) के अनुसार, प्रदेश की शिशु मृत्यु दर 48 थी, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक थी। यद्यपि समय के साथ इसमें कुछ सुधार हुआ है, फिर भी मध्य प्रदेश उन राज्यों में शुमार है जहां शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। समयपूर्व प्रसव, जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी, और गैर-संस्थागत प्रसव जैसे कारक इस दर को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले गैर-संस्थागत प्रसव संक्रमण और जटिलताओं का जोखिम बढ़ाते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (2019-2021) के अनुसार, प्रदेश में संस्थागत प्रसव की दर 88.6% तक पहुंची है–यह एक सकारात्मक कदम है। किंतु, यह आंकड़ा विकसित देशों की तुलना में कम है, और ग्रामीण क्षेत्रों में यह और भी निचले स्तर पर है, जो तत्काल सुधार की मांग करता है। मातृ और शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) जैसी महत्वाकांक्षी पहल शुरू की हैं। पीएमएसएमए के अंतर्गत हर महीने की 9, 15 और 21 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच होती है, जिसमें रक्तचाप, मधुमेह और हीमोग्लोबिन जैसे आवश्यक परीक्षण शामिल हैं। वहीं, पीएमएमवीवाई गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। किंतु, मध्य प्रदेश जैसे उच्च जोखिम वाले राज्यों में इन योजनाओं का कार्यान्वयन अभी भी कमजोर है। स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) को सशक्त करना, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों और टेलीमेडिसिन सेवाओं को विस्तार देना, तथा आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को और प्रभावी बनाने की तत्काल आवश्यकता है, ताकि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच सके। मातृ और शिशु मृत्यु के इस संकट से निपटने के लिए केवल नीतियां और संसाधन पर्याप्त नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की सशक्त लहर भी आवश्यक है। गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व के प्रति जागरूक करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार की जरूरत है। गायनकोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, और शिशु रोग विशेषज्ञों की भर्ती व प्रशिक्षण पर तत्काल ध्यान देना होगा। डिजिटल स्वास्थ्य पहल, जैसे यू-विन प्लेटफॉर्म, जो गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के टीकाकरण को ट्रैक करता है, को व्यापक स्तर पर लागू करना होगा। साथ ही, मातृ मृत्यु समीक्षा को पारदर्शी और प्रभावी बनाकर प्रत्येक त्रासदी से सबक लेना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटनाओं को रोका जा सके। मध्य प्रदेश की यह स्थिति एक गंभीर चुनौती है, पर असाध्य नहीं। केरल, जहां मातृ मृत्यु दर मात्र 30 है, हमारी प्रेरणा है। प्रदेश में मातृ मृत्यु दर में कमी यह संकेत देती है कि सही दिशा में कदम संभव हैं। किंतु इसके लिए सरकार, स्वास्थ्य पेशेवरों और समाज के एकजुट संकल्प की आवश्यकता है। प्रत्येक माँ का जीवन अनमोल है, और प्रत्येक शिशु का भविष्य हमारी सामूहिक जिम्मेदारी। मध्य प्रदेश को इस कलंक से मुक्ति दिलाने के लिए अभी से ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि हर गर्भवती महिला सुरक्षित मातृत्व का सुख अनुभव कर सके और हर शिशु अपनी मां की गोद में मुस्कुराता बड़ा हो।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

जन की भागीदारी से ही जनतंत्र जीवंत बनता है

लोकतंत्र की संपूर्णता तभी संभव है जब उसकी आत्मा, अर्थात् जनता, उसमें सक्रिय भागीदारी निभाए। राजनीति को अक्सर सत्ता, स्वार्थ और छल-प्रपंच से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। राजनीति दरअसल उस माध्यम का नाम है जिसके ज़रिए समाज की दिशा तय होती है, विकास की योजनाएँ बनती हैं, और नीतियाँ समाज के हर वर्ग तक पहुँचती हैं। यदि आम नागरिक इस प्रक्रिया में सहभागी नहीं होता, तो लोकतंत्र केवल एक औपचारिक ढांचा बनकर रह जाता है ऐसा ढांचा जिसमें जनता की आवाज़ खो जाती है और सत्ता का केंद्र सीमित हाथों में सिमट जाता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में राजनीति की भूमिका केवल शासकीय निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचना के ताने-बाने में गहराई से बुनी हुई है। यहाँ हर नीति चाहे वह शिक्षा की हो, स्वास्थ्य की हो या रोज़गार की सीधा प्रभाव आम जन के जीवन पर डालती है। ऐसे में यदि नागरिक राजनीति से दूर रहते हैं, तो निर्णय केवल सीमित और विशेष वर्गों के अनुसार लिए जाते हैं, जिनका उद्देश्य जनहित नहीं, बल्कि निजी लाभ होता है। जनभागीदारी का सबसे प्राथमिक और अनिवार्य रूप मतदान है। लेकिन लोकतंत्र केवल पांच वर्षों में एक बार वोट डालकर समाप्त नहीं हो जाता। लोकतंत्र एक जीवंत, सतत प्रक्रिया है जिसमें जनता की भागीदारी केवल अधिकारों की मांग तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उनके कर्तव्यों की पूर्ति तक भी जाती है। एक सचेत नागरिक मतदान के बाद भी अपने प्रतिनिधियों से सवाल करता है, सरकार की नीतियों पर दृष्टि रखता है, और यदि आवश्यकता हो, तो विरोध के स्वर भी उठाता है। यह सजगता ही लोकतंत्र की ऊर्जा है, जो उसे निरंतर प्रासंगिक और गतिशील बनाए रखती है। दुख की बात यह है कि आज बड़ी संख्या में नागरिक, विशेषकर शिक्षित वर्ग, राजनीति से मुंह मोड़ लेते हैं। वे राजनीति को गंदा खेल मानते हैं और इस धारणा के चलते उससे दूरी बना लेते हैं। इस दूरी का ही परिणाम है कि राजनीति में वंशवाद, धनबल और बाहुबल की प्रवृत्तियाँ फलने-फूलने लगती हैं। जब योग्य, ईमानदार और विचारशील नागरिक राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल नहीं होते, तो निर्णय वे लोग लेते हैं जो केवल निजी स्वार्थों से प्रेरित होते हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था विकृत हो जाती है और समाज में असंतुलन और अन्याय पनपने लगता है। वर्तमान समय में तकनीक ने जनभागीदारी के नए अवसर प्रदान किए हैं। डिजिटल माध्यमों, सोशल मीडिया, ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन जनसुनवाई जैसी पहलें लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी बना रही हैं। अब जनता के पास केवल अपनी बात कहने के माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि नीति निर्माण को प्रभावित करने के उपकरण भी हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि जनता इन माध्यमों का सही और सजग उपयोग करे।राजनीति में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। युवा ऊर्जा, विचार और बदलाव के प्रतीक हैं। यदि वे केवल नारों, विरोध या आलोचना तक सीमित रहें और व्यवस्था से निराश होकर उससे किनारा कर लें, तो राजनीति का स्तर गिरता चला जाएगा। इसके विपरीत, जब युवा नेतृत्व में आते हैं, प्रश्न करते हैं, आंदोलनों का हिस्सा बनते हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हैं, तब राजनीति और समाज दोनों में नयापन आता है। यह नवचेतना ही देश को आगे ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती है। लोकतंत्र की खूबसूरती इसकी समावेशिता में निहित है। हर वर्ग महिलाएं, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक जब तक राजनीति की मुख्यधारा में शामिल नहीं होते, तब तक व्यवस्था केवल औपचारिक प्रतिनिधित्व तक सीमित रह जाती है। सच्चा लोकतंत्र तब होता है जब हर व्यक्ति को यह महसूस हो कि उसकी बात सुनी जा रही है और वह नीति निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके लिए ज़रूरी है कि शासन केवल ऊपर से नीचे तक ही न चले, बल्कि नीचे से ऊपर तक जनता की बात भी पहुँचे।राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता तभी आएगी जब जनता इन मूल्यों को प्राथमिकता दे और उसे बनाए रखने के लिए संगठित प्रयास करे। आलोचना, असहमति और प्रतिरोध ये लोकतंत्र के स्वस्थ लक्षण हैं, परंतु इन्हें केवल नकारात्मकता और तटस्थता में परिवर्तित कर देना जनहित के विरुद्ध जाता है। नागरिकों को केवल दर्शक नहीं, सक्रिय भागीदार बनना होगा। यदि हम वास्तव में एक न्यायसंगत, समतामूलक और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं, तो राजनीति को कोसने से अधिक उसमें हिस्सेदारी निभानी होगी। यह जिम्मेदारी किसी एक वर्ग की नहीं, पूरे समाज की है। जब हर नागरिक यह मानेगा कि उसकी भूमिका केवल उपभोक्ता की नहीं, बल्कि भागीदार की है तब ही राजनीति जनसेवा का साधन बनेगी और लोकतंत्र वास्तव में जन का, जन के लिए और जन के द्वारा शासन बन पाएगा।3मूल्यों को प्राथमिकता दे और उसे बनाए रखने के लिए संगठित प्रयास करे। आलोचना, असहमति और प्रतिरोध ये लोकतंत्र के स्वस्थ लक्षण हैं, परंतु इन्हें केवल नकारात्मकता और तटस्थता में परिवर्तित कर देना जनहित के विरुद्ध जाता है। नागरिकों को केवल दर्शक नहीं, सक्रिय भागीदार बनना होगा। यदि हम वास्तव में एक न्यायसंगत, समतामूलक और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं, तो राजनीति को कोसने से अधिक उसमें हिस्सेदारी निभानी होगी। यह जिम्मेदारी किसी एक वर्ग की नहीं, पूरे समाज की है। जब हर नागरिक यह मानेगा कि उसकी भूमिका केवल उपभोक्ता की नहीं, बल्कि भागीदार की है तब ही राजनीति जनसेवा का साधन बनेगी और लोकतंत्र वास्तव में जन का, जन के लिए और जन के द्वारा शासन बन पाएगा।

हंसराज चौरसिया

वरिष्ठजन बदलाव को स्वीकार करें

एक प्रश्न सभी से—क्या आपको अपनी सबसे पुरानी ऐसी कोई बात याद है, जिसे सोचते ही आज भी रोमांच हो उठता है? कभी बचपन का कोई खेल, कभी भाइयों-बहनों के साथ की तकरार या स्कूल में सहपाठियों के साथ बिताए पल। याद कीजिए वह समय जब छोटे-छोटे झगड़े भी होते थे लेकिन उनमें एक मिठास होती थी। थोड़ी देर में सब सामान्य हो जाता था। परिवार के साथ छुट्टियों में किसी रिश्तेदार के यहां जाना या किसी तीर्थ स्थल की यात्रा - ऐसे अनेक पल जो आज भी स्मृतियों में जीवित हैं। अब प्रश्न उठता है-क्या आज के बच्चे या हमारे पोते-पोतियां ऐसी ही भावना से गुजर रहे हैं? शायद नहीं। आज का जीवन परिवर्तित हो चुका है। परिवारों का ढांचा बदल गया है, एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ा है, सामाजिकता कम हो गई है और डिजिटल युग ने बच्चों की दुनिया ही अलग बना दी है। यह बदलाव केवल सामाजिक परिवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, सोच, शिक्षा, संबंध, रहन-सहन या यूं कहें तो हर क्षेत्र में परिवर्तन आया है। यह मान लेना कि बदलाव गलत है, केवल इसलिए कि वह हमारे समय से भिन्न है, यह दृष्टिकोण नकारात्मक ही माना जाएगा। परिवर्तन जीवन का शाश्वत सत्य है। हर पीढ़ी अपने समय में जो कुछ जीती है, वही उसके लिए आदर्श बनता है। वरिष्ठजनों का दायित्व है कि वे इस बदलाव को केवल आलोचना की दृष्टि से न देखें, बल्कि इसे समझें और स्वीकार करें। यदि हम नई पीढ़ी के साथ संवाद स्थापित रखना चाहते हैं तो उनकी दुनिया को समझना और उसमें खुद को ढालना आवश्यक है। आज बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं, मित्रता भी सोशल मीडिया पर निभाते हैं, वीडियो गेम्स उनकी दिनचर्या का हिस्सा हैं, और ज्ञान का दायरा इंटरनेट ने व्यापक कर दिया है। यह सब भले ही हमें अपरिचित और शुष्क लगे, लेकिन इन्हीं में वे अपनी रुचि, समझ और सामर्थ्य का विकास कर रहे हैं।

यदि वरिष्ठजन इस परिवर्तन को अस्वीकार कर देंगे तो पीढ़ियों के बीच की दूरी और बढ़ती जाएगी। दूसरी ओर यदि वे जिज्ञासा के साथ इन नई चीजों को सीखने का प्रयास करें तो उनके लिए भी यह एक नयी यात्रा बन सकती है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया-ये सब हमारे लिए भी उपयोगी हो सकते हैं बशर्ते हम इन्हें अपनाने को तैयार हों। ज्यादातर बुजुर्ग लोग भी बहुत कुछ सीख रहे हैं। दिक्कत यह होती है कि इनकी तकनीक में इतनी जल्दी जल्दी परिवर्तन या अपग्रेडेशन होते हैं कि उनके साथ चलना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही, बदलाव का अर्थ केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है। सामाजिक मूल्यों, संबंधों के स्वरूप और जीवनशैली में भी परिवर्तन आया है। पहले संयुक्त परिवार होते थे, आज एकल परिवार हैं। पहले जीवन में धीमापन और धैर्य था, आज भागमभाग है। पहले जीवन सीमित आवश्यकताओं तक सिमटा था, अब विकल्प और आकांक्षाएं बढ़ गई हैं।

ऐसे में वरिष्ठजनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वे अपने अनुभव, जीवन मूल्य और सादगी की शिक्षा देकर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकते हैं, लेकिन यह तभी संभव है जब वे खुद समय के साथ चलने को तैयार हों। समय की धार को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसमें बहना और अपनी दिशा बनाना अवश्य संभव है। हमें यह भी समझना होगा कि बदलाव केवल बाहर नहीं आता, भीतर से भी आता है। जब हमारी सोच लचीली होगी, तब ही हम बदलती दुनिया में प्रासंगिक बने रह सकते हैं। यदि हम अपने पोते-पोतियों से संवाद करना चाहते हैं, तो उनके खेल, उनकी पढ़ाई, उनकी तकनीक को जानने का प्रयास करना होगा। तभी वे भी हमारे अनुभवों को सुनना और समझना चाहेंगे। कई वरिष्ठजन शिकायत करते हैं कि अब कोई सुनता नहीं, बच्चे व्यस्त हैं, परिवार समय नहीं देता। पर हमने कभी सोचा कि क्या हमने उनके साथ समरसता का प्रयास किया? जब हम खुद को उनके नजरिए से देखने का प्रयास करेंगे तभी वे भी हमारी भावनाओं का सम्मान करेंगे। उम्र का अर्थ केवल वर्षों की गिनती नहीं, बल्कि अनुभव, समझ और लचीलापन होना चाहिए। ध्यान रहे, समय बदलता है, पर मूल्य वही रहते हैं-प्यार, अपनापन, संवाद और सहयोग। हम इन मूल्यों के साथ बदलाव को अंगीकार करें, तो जीवन हर उम्र में सुंदर हो सकता है।

दैनिक राशिफल

डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ

मेष- घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा।

वृष- संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

मिथुन- प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

सिंह- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कन्या- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

तुला- दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

वृश्चिक- लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु- किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मकर- नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

कुंभ- भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

मीन- धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

रूढ़िवादी सोच और आधुनिकता के द्वन्द्व में बेगुनाह बेटी का निरीह कत्ल!

गुरुग्राम में रहने वाली 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी और कोच राधिका यादव की गुरुवार को हत्या कर दी गई है। राधिका एकेडमी चलाकर आत्मनिर्भर बनना और सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बनाना चाहती थी। लेकिन यह उनके पिता दीपक यादव को पसंद नहीं आया। उन्होंने अपनी बेटी को गोलियों से छलनी कर डाला। राधिका यादव की मौत को लेकर कई प्रकार के कयास लगाए जा रह है। पुलिस भी सभी एंगल से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि राधिका के पिता को उसका रील बनना अच्छा नहीं लगता है। वह एक मुस्लिम युवक के साथ वीडियो बनाना करती थी। बताया जा रहा है कि मुस्लिम युवक के साथ वीडियो और बढती देख कर राधिका यादव का पिता नाराज थे। हालांकि अभी तक जांच के अनुसार राधिका यादव हत्याकांड में दो कारण सामने आए है। बताया जा रहा है कि इन दो वजह से उनके पिता दीपक नाराज थे। दीपक नहीं चाहते थे कि राधिका टेनिस एकादमी चलाए। दूसरा उनके इंस्टाग्राम पर रील और वीडियो बनाने खिलाफ थे। राधिका काफी दिनों से मुसलिम युवक के साथ एक वीडियो पर काम कर रही थी। एक साल पहले उसका गाना रिलीज हुआ था। बताया जा रहा है कि इसको मुसलिम दोस्त ने ही प्रोड्यूस किया था। बेटी के कत्ल के आरोपी दीपक यादव ने पुलिस को बताया कि उसपर राधिका के काम बंद करवाने का सामाजिक दबाव था. दरअसल बेटी की हत्या से पहले दीपक यादव अपने गांव गया था. गांव के लोगों ने उसपर बेटी की कमाई खाने का तंज कसा. गांव के लोगों ने दीपक से कहा था कि वो एक अच्छा पिता नहीं है, क्योंकि उसकी बेटी मनमर्जी करती है. सूत्रों के मुताबिक दीपक को उसकी बेटी के चरित्र को लेकर कई झूठ भी बोले गए. जिससे दीपक को समाज में बदनामी होने का डर था.चार लोग क्या कहेंगे'...यही वो डर है, जिसकी वजह से हमारे देश के कई लोग कभी आगे नहीं बढ़ पाते. राधिका के पिता दीपक को भी उनके समाज के इन्हीं 'चार लोगों' ने इतना भड़का दिया कि वो एकेडमी बंद करने के लिए राधिका पर दबाव डालने लगे. जब राधिका ने एकेडमी बंद करने से साफ इनकार कर दिया, तब दीपक ने गुस्से में आकर अपनी बेटी की हत्या कर दी. पुलिस को दिए अपने बयान में राधिका के पिता ने हत्या की वजह समाज से मिले रहे तानों को बताया है. दीपक का कहना है कि उसे बेटी की कमाई खाने वाला व्यक्ति कहकर ताने दिए गए थे, और इस बात से वो परेशान रहता था. दीपक के दावे से ऐसा लगता है कि जैसे राधिका की कमाई, दीपक के लिए मजबूरी हो और इसी वजह से वो समाज के तानों से तंग आने लगा हो. लेकिन सच ये है कि राधिका का कमाना, दीपक के लिए मजबूरी नहीं था, क्योंकि दीपक खुद भी एक पैसे वाला आदमी था. उसने अपने प्रॉपर्टी डीलिंग के बिजनेस से अच्छा खासा पैसा कमाया था. दीपक को प्रॉपर्टी के बिजनेस से 15 लाख रुपये सालाना की कमाई होती थी, और किराए के तौर पर उसे सालाना 1 करोड़ से ऊपर की रकम मिलती थी. यानी की राधिका के कमाई से दीपक को खास लेना देना नहीं था. इसीलिए दीपक के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं लग रही है. पुलिस के मुताबिक इस केस में कई पेच हो सकते हैं. पुलिस सूत्रों के मुताबिक राधिका की एकेडमी बंद करवाना हत्या की वजह शायद ना हो. पुलिस को पूछताछ मेंता चला है कि दीपक ने ही अपनी बेटी राधिका की टेनिस एकेडमी खुलवाई थी. राधिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर का टेनिस प्लेयर बनाने के लिए दीपक ढाई करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुका था. राधिका के टेनिस करियर के लिए दीपक ने उसके लिए महंगे टेनिस रैकेट और स्पोर्ट्स गियर भी खरीदे थे. जो पिता अपनी बेटी के टेनिस करियर के लिए जी-जान से लगा हो, वो अचानक टेनिस अकेडमी को लेकर उसकी हत्या क्यों करेगा? ये सवाल आज हर कोई जानना चाहता है. पुलिस को शक है कि दीपक ने समाज के तानों की वजह से बेटी की हत्या नहीं की है, बल्कि हत्या की वजह कुछ और भी हो सकती है. इसीलिए पुलिस इस मामले में कुछ और एंगल से भी जांच कर रही हैराधिका की हत्या के बाद उसका एक म्यूजिक वीडियो चर्चा में आ गया है. दावा है कि इस म्यूजिक वीडियो को लेकर राधिका के पिता, उससे नाराज थे. हमें अभी तक जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक ये वीडियो करीब 2 साल पुराना है. इस वीडियो में राधिका ने एक्टिंग की है और इसमें प्रेम संबंधों के बारे में दिखाया गया है. राधिका के साथ इस वीडियो में इनामुल नाम का एक एक्टर है, जो इस तरह के म्यूजिक वीडियोज़ में एक्टिंग करता है. इस वीडियो के वायरल होने के बाद ये दावा किया गया कि राधिका के पिता इस वीडियो और रील्स को लेकर नाराज चल रहे थे. ये भी दावा किया गया है कि इनामुल और राधिका के बीच दोस्ती थी और इस दोस्ती से पिता दीपक नाराज थे. दरअसल इन दिनों भारतीय समाज प्रगति और वर्जनाओं के खंडित होने से पैदा संक्रमण के दौर से जूझ रहा है इस में एक ओर लड़कियों को तमाम तरह की आजादी शिक्षा खेल व्यवसाय के चयन में स्वतंत्रता और दूसरी ओर परम्परागत रूढ़िवादी सोच और वर्जनाओं की पाबंदी के बीच टकराव है। युवा पीढ़ी की लडकियां तमाम सामाजिक वर्जनाओं को तोड़कर अपने जीवन के सबसे बड़े फैसले भी खुद लेना चाहती हैं इससे आम मध्यम वर्गीय परिवारों में कई बार अभिभावकों और बेटियों के बीच वैचारिक व रिश्ते में टकराव की स्थिति बन जाती है। और अगर इस में तीसरा कोण दूसरे समुदाय खासकर मुस्लिम समुदाय का जुडाव हो तो हालात और भी अधिक टकराव के बन जाते हैं। विशेषकर उन परिस्थितियों में जब आए दिन एक समुदाय विशेष के झांगुर बाबा जैसे षडयंत्र कारी लोगों द्वारा सैकड़ों हजारों हिन्दू लड़कियों को जाल में फंसा कर धर्मांतरण कराने के खुलासे हो रहे हैं ऐसे संक्रमित माहौल में एक बेटी के पिता के अंतस के उस मर्म को भी समझना होगा। एक पिता लाखों करोड़ों खर्च कर अपनी इकलौती बेटी को अपने पैरों पर खड़ा कर उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखना चाहते हैं लेकिन जब वही जिगर का टुकड़ा बेटी पिता के अरमान का कत्ल कर किसी विधर्मी के कथित लगाव या प्यार को महत्व देकर पिता की अवज्ञा करे तो स्थिति की बार बेहद दुखद बन जाती है। हालांकि अभी इस मामले की जांच जारी है और किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी है लेकिन हालात और परिस्थितियां कुछ ऐसा ही घटनाक्रम पार्श्व में छिपे होने का संकेत दे रहे हैं। अब जरा उन परिस्थितियों पर भी गौर कीजिए जब एक हर तरह से संपन्न पिता बेटी की हत्या जैसा अधम क्रूरता भरा अपराध करने के बाद भी सारे इल्जाम अपने सिर ले रहा है लेकिन दुनिया से बिदा हो चुकी बेटी पर कोई इल्ज़ाम आने से बचाव कर रहा है। क्या स्वयं भारी खर्च कर बेटी को राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बनाने और उस के लिए ट्रेनिंग अकादमी खुलवा कर देने वाला पिता अकादमी बंद कराने के लिए बेटी को गोली से उड़ा देगा? नहीं इस बेहद हैवानियत भरे कत्ल के पीछे कोई बेहद मर्माहत करने वाली वजह छिपी है जिसे एक पिता अपनी ही बेटी के कत्ल के कलंक को माथे पर लगा कर फांसी के फंदे के नजदीक पहुंच कर भी ईजजत और समाज के नाम पर जगजाहिर करने से बचने की कोशिश कर रहा है। यह दिल दहलाने वाली घटना हर बेटी और पिता के लिए भी एक सबक है कि वह लाड प्यार के साथ परवरिश करें लेकिन बच्चों को अपनी सामाजिक मान्यताओं वर्जनाओं के प्रति भी आगाह और सचेत करते रहे ताकि फिर कोई दीपक यादव और राधिका सामने न आए।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

दूरदर्शन दे रहा युवाओं की प्रतिभा निखारने का अवसर

लखनऊ। दूरदर्शन लखनऊ युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए सुनहरा मंच लगातार प्रदान करता रहता है इस बार अवसर मिला है बक्शी का तालाब क्षेत्र के नमन तिवारी द्वारा लोकगीतों की प्रस्तुति 19और 20 जुलाई को रात्रि 9 बजे लोक रंग सुरों के संग पर करेंगे। नमन बक्शी का तालाब के खंतारी गांव के रहने वाले है और जन्म से ही संगीत में रुचि रखते है। इन्होंने संगीत अपने घर से सीखना शुरू किया और अब बनारस से संगीत शिक्षा प्राप्त कर रहे है। नमन तिवारी ने कार्यक्रम के कुशल संचालन के लिए चैनल के नमन,संजय और शेखर को धन्यवाद ज्ञापित किया और साथ ही क्षेत्र की जनता से अपील की अधिक से अधिक संस्कृति से जुड़ाव के लिए इस शानदार मुहिम से जुड़े।

कांग्रेस की बैठक में मंडल अध्यक्षों का हुआ चयन

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। नगर के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय में मंगलवार को संगठन सृजन अभियान के तहत एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष विजय शंकर अग्निहोत्री ने की। आयोजित बैठक में संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से मंडल अध्यक्षों का चयन किया गया। चयनित मंडल अध्यक्षों में राज नारायण यादव खजूरगांव, नितिन मिश्रा बेहटा कला, कृष्ण कुमार तिवारी मुबारकपुर, राजेंद्र बहादुर सिंह सेमरपहा, राजेश कुमार वर्मा गोविंदपुर वलौली और रामबक्स सिंह गहिरी शामिल हैं। नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन अनूप बाजपेई, कमल सिंह चौहान और पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष डलमऊ विनोद कुमार सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में वक्ताओं ने संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस मौके पर पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह, पूर्व प्रत्याशी सुधा द्विवेदी, कांग्रेस उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी, जिला महामंत्री लाल अशिकरण सिंह, जिला सचिव प्रभारी अजय सिंह, सचिव कामता प्रसाद गौड़, वरिष्ठ नेता सतीश पासवान और नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिन्दू वाहिनी संघ की महासभा 20 जुलाई को

अंबेडकरनगर। हिन्दू वाहिनी संघ की महासभा 20 जुलाई को दिन रविवार को जनपद अम्बेडकर नगर में राम जानकी मैरिज लॉन भीटी में आयोजित की जा रही है जिसमें हिन्दू वाहिनी संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष राखी शुक्ला जी संघ के संस्थापक विपिन जी के साथ हिन्दू वाहिनी संघ के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं उत्तर प्रदेश के समस्त प्रदेश पदाधिकारी का आगमन अम्बेडकर नगर जिले में हो रहा है उपरोक्त जानकारी हिन्दू वाहिनी संघ के जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा ज्ञान प्रकाश जी ने दी साथ ही साथ जिला अध्यक्ष जी ने हिन्दू वाहिनी संघ परिवार अम्बेडकर नगर जिले के सभी पदाधिकारी से 20 जुलाई 2025 को मीटिंग स्थल राम जानकी मैरिज लॉन भीटी में उपस्थिति रहने की अपील की और कहा कि जिले के सभी पदाधिकारी अपनी एकता दिखाते हुए सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी का जोरदार तरीके से स्वागत करें और कार्य क्रम को सफल बनाने में अपना ङ्क अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें। जिससे कार्यक्रम पूरी भव्यता के साथ अम्बेडकर नगर जिले में सम्पन्न हो।

अम्बेडकर नगर जिले के सभी सनातनी भाईयों से अनुरोध किया है कि आप सभी लोग भी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर राष्ट्रीय एवं प्रदेश के पदाधिकारी के विचारों को सुने और संगठन की सदस्यता लें और जिले में संगठन का विस्तार करने में आप सभी लोग भी अपनाङ्कअपना सहयोग प्रदान करें।

चार बीघा सरकारी जमीन से कब्ज़ा जमींदोज पांच करोड़ की जमीन कराई खाली

स्वतंत्र प्रभात

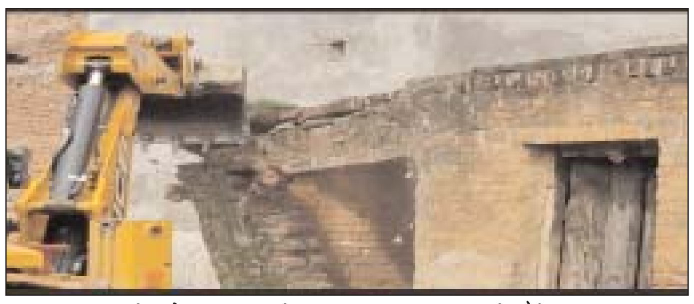

सीतापुर सीतापुर नगर कोतवाली क्षेत्र के बैजनाथ कॉलोनी में प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग चार बीघा से अधिक नजूल की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया इस जमीन की अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है कई सालों से भूमाफिया और उसके परिवार के द्वारा कब्जाई गई इस जमीन पर दो मोबाइल टावर भी स्थापित है जिनसे अवैध वसूली की जा रही थी। नगर क्षेत्र के यह कार्यवाही तहसीलदार अतुल सेन सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका की संयुक्त टीम द्वारा की गई जेसीबी मशीन से कब्जा की गई जमीन पर बने निर्माणों को ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ कब्जेदारों की महिलाओं ने अधिकारियों को कथित दस्तावेज दिखाकर जमीन पर कब्जे को सही ठहराने की कोशिश की लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह जमीन नजूल की है और लंबे समय से इस पर अवैध कब्जा किया जा रहा था बताया जा रहा कि मृतक मुसाहिब उर्फ भन्नू के पुत्रों द्वारा इस नजूल भूमि पर कब्जा किया गया था जमीन की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह पुराने डीएम आवास के पीछे स्थित है जहां सालों से यह जमीन खाली पड़ी थी। कार्रवाई के दौरान प्रशासन की टीम ने मौके पर नगर पालिका का बोर्ड भी लगवा दिया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि यह भूमि सरकारी स्वामित्व की है तहसीलदार अतुल सेन सिंह ने कहा कि नजूल की लगभग चार बीघा से अधिक भूमि को खाली कराया गया है जिसकी बाजार मूल्य के अनुसार अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये है प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है!!

शारदा नहर में डूबे युवक का शव मिलने से घर में मचा कोहराम, घटनास्थल से सात किमी दूर मिली शव

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र से सोमवार को नहर में डूबे युवक का शव बुधवार सुबह करीब 48 घंटे बाद बरामद कर लिया गया शव घटनास्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर तालगांव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम न्यामुपुर पुल के पास बहता हुआ मिला घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर के मोहल्ला मीरा टोला निवासी अजीम पुत्र हाजी रफीक अंसारी (27 वर्ष) ने सोमवार को शारदा सहायक नहर के स्लॉटर हाउस के निकट अज्ञात कारणों से छलांग लगा दी थी घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ एनडीआरएफ, पीएसी और पुलिस टीम ने उसकी तलाश शुरू की थी दो दिनों तक चले सघन अभियान के बावजूद कोई सफलता नहीं मिल सकी। बुधवार सुबह लगभग करीब 8 बजे ग्राम न्यामुपुर पुल के पास शारदा सहायक नहर में एक शव बहता हुआ दिखाई दिया जिसे स्थानीय लोगों ने देखा और तुरंत पुलिस व परिजनों को सूचना दी सूचना मिलते ही भारी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से शव को रस्सी से बांधकर नहर से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही तालगांव पुलिस भी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है युवक की मौत से मोहल्ले में शोक की लहर फैल गई है फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है!!

मुख्यमंत्री को संबोधित संगठन के पदाधिकारी सौपेंगे ज्ञापन

सीतापुर यू0पी0 एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल एशोसिएशन (उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ) की प्रदेश कार्य समिति द्वारा लिए गये निर्णय के कम में प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा के आवाहन पर दिनांक-19.07.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे संगठन की मांगों को लेकर सीतापुर जिलाध्यक्ष अनुराग मिश्रा पवन पतौजा के द्वारा जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षणेत्तर कर्मिकों द्वारा माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा उत्तर प्रदेश को सम्बोधित ज्ञापन दिया जाएगा।श्याम कृष्ण तिवारी जिलाकोषाध्यक्ष सीतापुर,नवीन कुमार मिश्र जिलामंत्री सीतापुर सहित संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को आने के लिए अनुरोध किया गया है।

करंट से हुई मौत के मामले में जनप्रतिनिधियों ने व्यक्त की शोक संवेदना

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के रानी का पुरवा मजरे ओथी गांव निवासी 35 वर्षीय व्यक्ति को करंट लगने से हुई मौत के मामले में जहां गांव सहित पूरा क्षेत्र अशोक की लहर में डूबा है। तो वही घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मीकांत रावत व भाजपा नेता सरोज गौतम सहित अनेक दल के नेताओं ने मृतक के घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा शासन द्वारा मिलने वाली हर संभव सहयोग दिलाने का आश्वासन भी दिया। आपको बताते चले कि,रानी का पुरवा मजरे ओथी गांव में मंगलवार को शाम करीब 7:30 पर एक 35 वर्षीय प्रदीप कुमार पुत्र श्रीपाल की बिजली करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, प्रदीप कुमार अपने घर में पंखा लगा रहे थे, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गए। जिससे प्रदीप कुमार की मौत हो गई जैसे ही प्रदीप कुमार की मृत्यु की खबर परिजनों व गांव वालों को हुई पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

महराजगंज रायबरेली बीते 24 घंटे पूर्व करंट से हुई मौत के मामले में जहां मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है तो वही मृतक मिलनसार स्वभाव का व्यक्ति था और अपने पीछे पत्नी व दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं मासूम बच्चों व पत्नी व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है ऐसे में मृतक के परिजनों का कौन करेगा पालन पोषण यह बात गांव सहित क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

स्कूल वाहनों की जांच में 45 चालान, 105 सीज

अम्बेडकरनगर। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अयोध्या श्री विश्वजीत सिंह ने 16 जुलाई को अम्बेडकरनगर कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया।1 से 15 जुलाई तक चले स्कूल वाहन जांच अभियान में 875 वाहनों की जांच हुई, जिसमें 45 चालान और 105 वाहन सीज किए गए।निरीक्षण में कार्यालय की सफाई, उपस्थिति पंजिका और अनुपयोगी वाहनों को हटाने के निर्देश भी दिए गए।निरीक्षण के दौरान सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पहली महिला पुलिस कर्मी बनी गांव की बेटी शालिनी पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ, मोहनलालगंज विकास खंड की ग्राम पंचायत छतौनी नगराम, जनपद लखनऊ की शालिनी शुक्ला ने अपने हौसले और मेहनत से एक नया इतिहास रच दिया है। बेहद साधारण और गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली शालिनी को पुलिस विभाग में नौकरी मिली है। वे गांव की पहली महिला हैं जिन्हें यह गौरव हासिल हुआ है। अब उनकी पोस्टिंग गोरखपुर में हुई है।शालिनी के पिता राजेन्द्र शुक्ला एक सुरक्षा गार्ड की नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते रहे। कठिन हालातों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। शालिनी भी बचपन से पढ़ाई में तेज थीं और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रहीं। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने पुलिस विभाग में चयनित होकर पूरे गांव का नाम रोशन किया।शालिनी की इस उपलब्धि से छतौनी गांव ही नहीं, आसपास के क्षेत्र में भी खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की और शालिनी को बधाई दी। गांव की बेटियों के लिए वह अब प्रेरणा बन गई हैं।परिजनों का कहना है कि शालिनी ने यह साबित कर दिया कि संसाधनों की कमी अगर इरादे मजबूत हों, तो रास्ते में रुकावट नहीं बन सकती। अब गांव की अन्य बेटियां भी शालिनी को आदर्श मानकर सरकारी सेवा में जाने का सपना देख रही हैं।सचमुच, शालिनी शुक्ला ने साबित कर दिखाया है कि मेहनत, हौसला और आत्मविश्वास से कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है।

नगराम पुलिस ने गौकशी की योजना बना रहे गिरोह का किया भंडाफोड़, दो गिरफ्तार चार फरार

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ, नगराम थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गौकशी की साजिश रच रहे गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बीते मंगलवार को जब नगराम पुलिस टीम शराब ठेके के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नेवाजखेड़ा गांव के पास जंगल में कुछ संदिग्ध व्यक्ति एक बैल को बांधकर मौजूद हैं और गौकशी की तैयारी में लगे हैं। मुखबिर द्वारा मिली के आधार पर नगराम पुलिस तत्काल हरकत में आई और बताई गई लोकेशन पर पहुंची। मौके पर पुलिस ने देखा कि एक बैल को पेड़ से रस्सी के सहारे बांधा गया था और उसके पास 5-6 संदिग्ध व्यक्ति बैठे हुए थे। पुलिस को देखते ही सभी आरोपित भागने लगे, लेकिन मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को मौके से पकड़ लिया, जबकि चार अन्य अंधेरे और झाड़ियों का लाभ उठाकर मोटरसाइकिल व पैदल मार्ग से फरार हो गए। नगराम पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम जीशान पुत्र अब्दुल वाहिद, निवासी 163/335 मौलवीगंज, चिकमंडी, थाना अमीनाबाद, लखनऊ दूसरा मोहम्मद समीर कुरैशी पुत्र युनुस कुरैशी, निवासी फतेहगंज, कसाईवाड़ा, थाना अमीनाबाद, लखनऊ का बताया गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक एक्टिवा स्कूटी, तीन धारदार चाकू, एक पेचकस, एक बड़ा बैग, तीन जूट की बोरियां, दो प्लास्टिक की बोरियां और एक प्लास्टिक की रस्सी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका उद्देश्य अवैध रूप से बैल की हत्या कर उसका मांस बेचकर जीविका चलाना था। यह सभी आरोपी सुनियोजित ढंग से गौकशी करने के इरादे से जंगल में एकत्रित हुए थे। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ गौवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, फरार चार अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस लगातार कर रही है।नगराम पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा आस-पास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि ऐसी अवैध गतिविधियों पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

मनरेगा में घोटाला- कागज पर उपस्थिति कुछ और, अपलोड फोटो में हकीकत कुछ और

● **ग्राम पंचायत बीबीपुर में पंचायत सचिव और प्रधान की मिलीभगत से सरकारी धन की बंदरबांट**

स्वतंत्र प्रभात

अंबेडकरनगर, बसखारी ग्राम पंचायत बीबीपुर में मनरेगा योजना के तहत चल रहे कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। सरकारी कागजों में दर्ज उपस्थिति और अपलोड फोटो में सच्चाई में भारी अंतर देखने को मिल रहा है, जिससे भ्रष्टाचार की बू आ रही है। पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान की साठगांठ से मनरेगा में फर्जी तरीके से मजदूरों की उपस्थिति दर्ज कर लाखों रुपये का बंदरबांट किया जा रहा है। जांच में सामने आया कि चार अलग-अलग मास्टर रोल में कुल 20 मजदूरों से कार्य कराया जा रहा है, लेकिन सभी रोल में फोटो लगभग सेम है और नाम अलग अलग दर्शाई गई है।

जमीन पर काम कर रहे मजदूरों की स्टिल अपलोड फोटो में केवल 7 ही मजदूर दिखाई दे रहे हैं, जबकि उपस्थिति में 8 नाम पर उपस्थिति लगाई जा रही है पर एक मास्टर रोल में 10, दूसरे में 8 और बाकी दो रोल में उन्हीं मजदूरों की उपस्थिति दिखाई गई है। इतना ही नहीं, दो मास्टर रोल में एक ही व्यक्ति से कार्य कराने का भी मामला देखने को मिल रहा है यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो लाखों रुपये की हेराफेरी और बड़े पैमाने पर चल रहे भ्रष्टाचार का खुलासा हो सकता है।

नेत्रहीन बेटे ने पिता पर भीख के रुपये चोरी करने का लगाया आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बाल्हेमऊ गांव निवासी एक नेत्रहीन व्यक्ति ने अपने ही पिता पर चोरी का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित क्षमा लाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह बालेश्वर मंदिर परिसर में भीख मांगकर जीवन यापन करता है। उसका कहना है कि मंगलवार को दिनभर की मेहनत से जमा किए गए दो हजार की रकम को उसने संभालकर रखा था। रात में उसके पिता ने चोरी कर ली। क्षमालाल का कहना है कि उसकी दोनों आंखें नहीं हैं। पुलिस को दी तहरीर में उसने न्याय की गुहार लगाई है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं है, तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शादी के दिन दूल्हा हुआ फरार नहीं आई बारात, तीन साल के अफेयर के बाद तय हुआ था निकाह

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर लहरपुर नगर क्षेत्र में मंगलवार शाम शादी वाले दिन बारात ही नहीं आई दूल्हा शादी से ठीक पहले फरार हो गया नाराज लड़की के परिजनों ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला लहरपुर कोतवाली इलाके के मोहल्ला ठठेरी टोला का है पीड़ित हमीद ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री का मोहल्ले के ही अमन पुत्र हनीफ के साथ 3 साल से प्रेम प्रसंग था अमन ने शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए थे जब इस बात की जानकारी परिजनों को हुई तो उन्होंने अमन और उसके परिवार वालों से शादी की बात कही लेकिन वे टाल-मटोल करने लगे 27 जून को मोहल्ले के कुछ संभ्रांत लोगों की मध्यस्थता से दोनों पक्षों में समझौता हुआ जिसमें यह तय किया गया कि 15 जुलाई मंगलवार को निकाह होगा। तय तिथि पर लड़की पक्ष ने सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं मेहमान आ चुके थे घर में खुशी का माहौल था लेकिन निर्धारित समय पर न तो बारात आई और न ही अमन का कुछ पता चला बाद में जानकारी मिली कि अमन घर से फरार हो गया है और उसके परिजनों ने शादी से साफ इनकार कर दिया है। पीड़ित परिवार मानसिक और सामाजिक रूप से आहत है कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में पीड़ित की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है जिसकी जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश और चर्चा का माहौल बना हुआ है!!

महिला जिला मंत्री से पुलिस की बदसलूकी बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया थाने का घेराव चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना इलाके में राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला मंत्री पूर्णिमा वर्मा द्वारा पुलिस पर अभद्रता और गाली-गलौज का आरोप लगाया पीड़िता द्वारा कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार की देर शाम बजरंग दल के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सकरन थाने के बाहर जोरदार हंगामा किया कार्यकर्ताओं ने चौकी इंचार्ज को हटाने के साथ मुकदमा दर्ज की मांग को लेकर नारेबाजी की और विरोध जताया। मामला सकरन थाना क्षेत्र की मोहालिया पुलिस चौकी का है जहां राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला मंत्री पूर्णिमा वर्मा ने चौकी इंचार्ज रामबरन गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं पीड़िता ने बताया कि उसके घर के दक्षिण दिशा में एक रास्ते को लेकर विवाद है जिसे बंद कराने के लिए करीब एक माह पूर्व थाने पर एक समझौता हुआ था लेकिन समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर वह मंगलवार को फिर चौकी पहुंचीं और मामले में हुई प्रगति की जानकारी मांगी आरोप है कि इसी दौरान चौकी इंचार्ज ने न सिर्फ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया बल्कि उन्हें चौकी में बैठाकर धमकी दी कि ÷दो-चार पट्टे लगेंगे तब जाकर सही होगी पीड़िता ने तत्काल इसकी सूचना अपने परिजनों को दी जिसके बाद उसे छोड़ा गया इस घटना से आक्रोशित होकर राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता पीड़िता के साथ थाने पहुंचे और चौकी इंचार्ज के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष, सीओ सहित पुलिस के अन्य अधिकारी पीड़िता और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते रहे लेकिन देर रात तक कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। इस मामले ने स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं वहीं पीड़िता और संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र न्याय न मिला तो आंदोलन तेज किया जाएगा!!

तीन दिवसीय मेगा बिजली बिल समाधान शिविर का होगा आयोजन

मेगा बिजली बिल समाधान शिविर में उपभोक्ताओं को राहत देना शिविर का मुख्य उद्देश्य

महराजगंज/रायबरेली। बिजली विभाग द्वारा मेगा बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन 3 दिन के लिए किया जा रहा है। जिसमें उपभोक्ता आकर अपनी बिजली संबंधित मामलों का शिकायती पत्र देकर निस्तारण कराए और सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ लें। यह उद्गार विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता संदीप कुमार पत्रकारों को जानकारी देते हुए व्यक्त कर रहे थे। बताते चलें कि, मेगा बिजली बिल समाधान शिविर उपभोक्ताओं को राहत देने हेतु किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को विद्युत संबंधित समस्याओं से छुटकारा व निजात मिल सके तथा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दिनांक 17, 18, व 19 जुलाई को तीन दिवसीय विशेष शिविर महराजगंज खंड कार्यालय, शिवगढ़ उपखंड कार्यालय, व बछरावां उपखंड कार्यालय में ऐसा आयोजन किया जाएगा।

चोरों का तांडव पुलिस चौकी के पास मोबाइल स्टोर में चोरी, छत से दीवार में सेंध काटकर करीब 200 मोबाइल चुराए

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर में नगर कोतवाली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए चोरों ने पुलिस चौकी से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक मोबाइल स्टोर को निशाना बना डाला छत के रास्ते दुकान की दीवार में सेंध काटकर चोरों ने करीब 25 लाख रुपए की बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मोबाइल स्टोर के प्रोपराइटर विनोद राठौर के अनुसार, चोरों ने मंगलवार की देर रात दुकान में घुसकर लगभग 200 कीमती मोबाइल फोन चोरी कर लिए चोरी गए मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत 20 से 25 लाख रुपये के बीच बताई जा रही है यही नहीं, चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे उनकी पहचान में मुश्किलें आ रही हैं बुधवार सुबह घटना की जानकारी होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई सूचना मिलते ही सीओ सिटी अमन सिंह, नगर कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ल, चौकी प्रभारी हर्षित सिंह तथा फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य संकलन शुरू किया गया। पुलिस ने दुकान में सेंधमारी के रास्ते, फिंगरप्रिंट व अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर सुराग जुटाने का प्रयास किया। घटना ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं दुकान के आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही खुलासे की बात कह रही है!!

मोहनलालगंज तहसील में बारिश का कहर लेखपाल कार्यालय परिसर में जलभराव, फरियादी परेशान

स्वतंत्र प्रभात

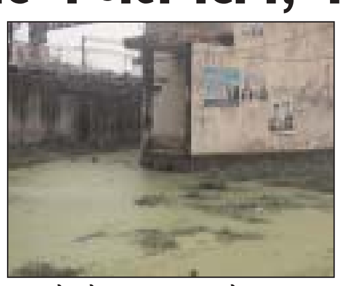

मोहनलालगंज। लखनऊ, बीते कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने मोहनलालगंज तहसील प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है। तहसील परिसर के पीछे बने लेखपालों के कार्यालयों के बाहर भारी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे न सिर्फ फरियादियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि राजस्वकर्मियों का कार्य भी ठप हो गया है।बारिश के बाद लेखपालों के कार्यालयों के बाहर पानी भर जाने से फरियादियों को अपने जरूरी मामलों को लेकर दफ्तर तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। वहीं, कई लेखपाल पानी में फंसे होने के कारण अपने कक्षों से बाहर तक नहीं निकल पा रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल संघ के महामंत्री के कक्ष के बाहर तक पानी भर चुका है, जिससे विभागीय कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

वकील और किसान भी बेहाल........

तहसील परिसर में आने वाले वकीलों और किसानों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोगों को पानी में से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी फाइलें और जरूरी दस्तावेज भी खराब हो रहे हैं। शिकायतों के बावजूद जलनिकासी की कोई स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं की गई है।

प्रशासन के दावों की खुली पोल......

तहसील प्रशासन द्वारा नियमित सफाई और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम के दावों की सच्चाई इस बारिश ने उजागर कर दी है। मामूली बारिश में ही परिसर में जलभराव हो जाना, इस बात का संकेत है कि वर्षों से इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं ढूंढा गया है।राजस्व विभाग के कर्मचारियों सहित तहसील में आने वाले आमजन ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से जलनिकासी की व्यवस्था कराए और परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करे। अन्यथा, यदि बारिश इसी तरह जारी रही तो आगामी दिनों में तहसील का सामान्य कार्य पूरी तरह से ठप हो सकता है।हर साल यही हाल होता है, थोड़ी सी बारिश होते ही पानी भर जाता है। न कोई सुनवाई होती है और न समाधान एक वकील ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा।अब देखना यह होगा कि तहसील प्रशासन इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करता है या फिर यह जलभराव फरियादियों और कर्मचारियों की रोजमर्रा की परेशानी बना रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

लगातार अधिक वर्षा होने के कारण बाढ़, जल भराव की स्थिति निर्मित

शहडोल ब्यौहारी जनपद पंचायत में लगातार अधिक वर्षा होने के कारण बाढ़, जल भराव की स्थिति निर्मित हो रहे है।आमजन से अपील है कि पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सड़क के ऊपर से बहते पानी को क्रॉस ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों "सावधानी ही सुरक्षा है", अतः बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें - श्री विजय सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ब्यौहारी जानकारी देते हुए बताएं।

चोरी करते पकडा कर्मचारी, सेवा समाप्त

नेचर ग्रीन कंपनी में काम कर रहा था कर्मचारी

मथुरा। नगर निगम की ओर से सफाई व्यवस्था के लिए नामित की गई निजी एजेंसी नेचर ग्रीन ने अपने एक कर्मचारी को चोरी का आरोप लगाते हुए सेवा से निकाल दिया है। कंपनी की ओर से कर्मचारी को सेवा समाप्ति का पत्र जारी कर दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही कंपनी की ओर से नहीं की गई है। साथ ही कर्मचारी को आदेशित किया गया है कि उसके पास कंपनी का जो भी सामान और दस्तावेज हों उन्हें अतिशीघ्र वापस करे। नेचर ग्रीन में यह कर्मचारी पुरानी कंपनी की ओर से ही काम कर रहा था। नेचर ग्रीन ने इसका चयन नहीं किया था। कंपनी एचआर की ओर से जारी किये गये पत्र में कहा गया है कि साजिद वार्ड 64 में ई रिक्शा चलाता है। सजिद एवं एक अन्य को ड्यूटी के दौरान ई रिक्शा से बैटरी चोरी करते हुए मौके पर पकडा गया।

मजदूरी कर घर लौट रहे मजदूर को टैंकर ने कुचला

हाइवे पर ऑटो से उतर कर घर के लिए जा रहा था युवक

मथुरा। मजदूरी कर घर लौट रहे मजदूर को एक टैंकर ने कुचल दिया। हादसे में मजदूर की मौत हो गई। जैत क्षेत्र मे ट्रक और टेपो कि टक्कर हो गई जिसमे जैत निवासी रवि कुमार पुत्र थान सिंह उम्र लगभग 28 वर्ष मजदूरी करके टैम्पो से गांव आ रहा था। शाम को लगभग नौ बजे जैत के वृंदावन चौक पर टैम्पो से उतर कर पैदल ही घर जा रहा था कि हनुमान मंदिर के सामने मथुरा की ओर से आ रहे कैंटर ट्रक संख्या एचआर 38 एई 5270 ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे रवि गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी और केडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृत्यु की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। पत्नी, मां और बहिनों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है। रवि ने अपने पीछे दो मासूम बेटियों को बिलखते हुए छोड़ा है। मृतक के पिता थान सिंह ने थाना जैंत में ट्रक चालक के खिलाफ तेज गति एवं लापरवाही से ट्रैक चलाकर टक्कर मारने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

27 किलो चांदी चुराने की घटना में तीसर आरोपी गिरफ्तार

दो युवकों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से चोरी की गई 11 जोड़ी चांदी की पाजेब मिली हैं। लिंक रोड फ्लाई ओवर के नीचे रेलवे लाइन के पास चौकी क्षेत्र कृष्णानगर थाना कोतवाली जिला मथुरा से अभियुक्त जतिन कश्यप पुत्र नारायण सिह निवासी मनोज विहार कालौनी श्री जगन्नाथमन्दिर के पीछे से गिरफ्तार किया। 13 जून की रात्रि को एक घर से 27 किलोग्राम चांदी की पाजेब चोरी हो जाने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर जतिन कश्यप पुत्र नारायण सिह निवासी मनोज विहार कालोनी श्री जगन्नाथ मन्दिर के पीछे थाना हाइवे जिला मथुरा के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। राजा पुत्र पुरूषोत्तम निवासी लक्ष्मीनगर थाना कोतवाली, विपिन उर्फ विप्पी पुत्र मुकेश निवासी लक्ष्मीनगर थाना कोतवाली, के नाम प्रकाश में आये थे, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली देवपाल सिंह पुण्डीर के मुताबिक चांदी चोरी की इस घटना में तीन आरोपियों को अब तक गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

एंबुलेंस ड्राइवरों की समस्या का हल नहीं तो महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अंतर्गत हॉस्पिटल में कोल इंडिया के द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध की गई है। जो प्राइवेट ठेकेदारों के माध्यम से कराई जा रही है। वहीं ठेकेदारों के द्वारा एम्बुलेंस के ड्राइवरो के साथ कार्य12 घंटे लिया जाता है। लेकिन वेतन कम दिया जा रहा है। जबकि दो ड्राइवरों के साथ एक रिलीवर ड्राइवर भी होना चाहिए। जो ठेकेदार के द्वारा ऐसा नहीं किया जा रहा है। जिससे ड्राइवर को लगातार गाड़ी चलाने में असुविधा हो रही है। इसके कारण दुर्घटनाएं भी हो सकती है लेकिन इस दुर्घटना की जिम्मेदारी किसकी होगी सवाल इस बात की है। कार्य का समय ज्यादा और वेतन कम दिया जाना यह कैसी मानवता है। पेमेंट स्लिप भी नहीं दी जाती है। एंबुलेंस ड्राइवरों का शोषण लगातार कई वर्षों से किया जा रहा है। जिसकी वजह से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई है। इन सब मुद्दों को लेकर एसईसीएल कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक को सोहागपुर एरिया अध्यक्ष नरेंद्र चतुर्वेदी को एंबुलेंस ड्राइवरों के द्वारा एक शिकायती पत्र दिया गया। जिसके आधार पर कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक के अध्यक्ष नरेंद्र चतुर्वेदी ने एक ज्ञापन महाप्रबंधक एसईसीएल सोहागपुर एरिया को दिया गया है। इस ज्ञापन में उक्त समस्याओं का उल्लेख किया गया है। उक्त लिखित मांगों का अति शीघ्र हल किए जाने की मांग की है। बताया कि कई वर्षो से सोहागपुर एरिया में एंबुलेंस ड्राइवरों के साथ अनदेखी की जा रही है और उनकी समस्याओं का अधिकारियो के द्वारा देखकर अनदेखी की जा रही है। जिससे ड्राइवर के मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर भी हो रहे हैं। वजह यही है की ज्यादा समय तक कार्य करना और वेतन कम देना समय से वेतन भी नहीं दिए जा रहा। अभी तक चार महीना का वेतन तक नहीं दिया गए है। ईपीएफ अकाउंट भी अभी तक नहीं खोला गया। जबकि वेतन 12000 केवल दिया जा रहा है। एंबुलेंस में तीन ड्राइवर होना चाहिए। उक्त बिंदुओं का अगर जल्द ही निराकरण नहीं किया गया तो 14 दिवस के बाद कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक यूनियन के द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

ट्रैक्टर ट्राली पलटी, 17 घायल

दुर्घटना/हादसा

मथुरा। गोवर्धन यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। सड़क पर सांप देख चालक हडबडा गया था। दुर्घटना में 17 यात्री घायल हुए हैं सभी को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। आगरा के किरावली थाना क्षेत्र के गांव सलेमाबाद से 17 श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर गोवर्धन की यात्रा पर निकले थे। मंगलवार रात करीब 10 बजे सौंख-गोवर्धन मार्ग पर बाबा कढ़ेरा कॉलेज के पास हादसा हुआ। सड़क पर अचानक सांप दिखने से चालक ने ट्रैक्टर का नियंत्रण खो दिया। इससे ट्रॉली अनियंत्रित होकर एक तरफ पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार सभी 17 लोग घायल हो गए। श्रद्धालुओं की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को केएम अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों का इलाज जारी है।

फागू शाह बाबा की मजार को हटाए जाने के विरोध में सपा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पर धरना- प्रदर्शन कर, ज्ञापन दिया

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के बदलिया गांव स्थित फागू शाह बाबा की मजार को हटाए जाने के विरोध में समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर महामाहिम राज्यपाल को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजकर मजार तोड़े जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग की। सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, डुमरियागंज विधायक सैयदा खातून और पूर्व विधायक विजय पासवान के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे।सपा नेताओं तथा कार्यकताओं जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य गेट पर धरना दे दिया।

सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि फागू बाबा की मजार हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों की आस्था का केंद्र थी। उन्होंने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। विधायक सैयदा खातून ने भाजपा के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह पर धार्मिक ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। पूर्व विधायक विजय पासवान ने कहा कि वे अपनी मांगों के लिए जेल जाने को भी तैयार हैं। सपा जिलाध्यक्ष ने राघवेंद्र प्रताप सिंह पर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया।

एसडीएम को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर समस्या निस्तारण की किया मांग

● लेखपालों ने तहसील शोहरतगढ़ में तैनात लेखपाल संध्या पाण्डेय को दूसरे तहसील में स्थानांतरित करने के लिये उठाया आवाज

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। तहसील इकाई शोहरतगढ़ लेखपाल संघ ने एसडीएम राहुल सिंह को 13 सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया गया। तहसील लेखपाल संघ अध्यक्ष आशीष संगम व मंत्री रजनीश विश्वकर्मा की अगुवाई में लेखपालों द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि तहसील में कार्यरत लेखपाल संध्या पांडेय के पति ऋषभ सिंह तहसील आवास में रहते हैं और आए दिन लेखपालों से झगड़ा कर लोगों को परेशान किया जाता है। यह भी आरोप है कि क्षेत्रवासी कई बार उच्च अधिकारियों को लेखपाल संध्या पांडेय के हलका क्षेत्र में काम पर न जाने बल्कि उनके पति द्वारा ही उनके शासकीय कार्यों को गांव में जाकर करते समय जनता के बीच धनादोहन करते हुए लोगों का परेशान किया जाता है। ऐसे में तहसील व लेखपालों की छवि धूमिल हो रही है। लेखपाल संघ ने ज्ञापन में लेखपाल संध्या पांडे को तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरण के लिए आवाज उठाया।

लेखपालों ने कहा कि तहसील के लेखपाल संघ भवन में बैठने हेतु भवन को खाली करा कर बैठने की व्यवस्था कराई जाए, तहसील के विभिन्न पटल पर प्राइवेट व निजी कार्मिकों के होने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है और शासकीय कार्यों की गोपनीता भी भंग हो रही है जिस पर अंकुश लगाया जाये। ग्रामों के नये भू- चित्र उपलब्ध कराया जाये। ऑनलाइन एपीआर का मूल्यांकन रिपोर्ट जारी किया जाये।

अद्यावधिक रियल टाइम खतौनी उपलब्ध कराने तथा मूल क्षेत्र के नजदीकी ही अतिरिक्त क्षेत्र का प्रभार लेखपालों को देने, निलंबित लेखपाल विमल किशोर यादव को बहाल करने, लेखपाल जगदीश चौरसिया, ओम प्रकाश व दुर्गेश कुमार पर विभागीय कार्रवाई को समाप्त करने की भी मांग की। एसडीएम राहुल सिंह ने लेखपालों की समस्या निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान लेखपाल संघ अध्यक्ष आशीष संगम, मंत्री रजनीश कुमार विश्वकर्मा, मुस्ताक अहमद, विजय किशोर, रमेश जायसवाल, सुनील सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क निर्माण को लेकर मुख्य नगर परिषद अधिकारी को सौंपा ज्ञापन बुढ़ार

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल। जिले के बुढ़ार जनपद पंचायत अंतर्गत बुढ़ार नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 15 के लोगों ने सांसद, विधायक सहित नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी जाहिर की हैं। क्योंकि यहाँ के निवासियों के द्वारा लंबे समय से सड़क का निर्माण कार्य की मांग कर रहे थे। जिससे की वार्ड नंबर 15 गोविंद प्रजापति के घर से लेकर जानकी पाठक शुभम पाठक के घर तक सड़क नाली सहित पिछले 25 वर्षों के झूझ रहे हैं। जिससे आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। निर्माण कार्य को लेकर कई बार विज्ञापन भी दिए पर आज तक कोई भी कार्यवाही नगर परिषद के द्वारा नही की गई। आज फिर नगर परिषद को चेतावनी देते हुए पुनः विज्ञापन दिए साथ ही नगर परिषद के अधिकारियों के द्वारा अस्वासन भी दिए कि सड़क नाली का जल्द ही निर्माण कार्य

ज्ञापन सौंपते हुए यह रहे मौजूद शुभम पाठक गोविंद प्रजापति अजय सिंह सुमित पाठक विकास सोनी सनी पाठक राजकुमार पांडे विजय सिंह कृष्ण बैगा रितिक सिंह बुढार नगर परिषद के सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपते हुए वार्ड नंबर 15 के युवा इनकी रही उपस्थित उल्लेखनी रही।

इनका- कहना है बरसात के बाद जल्द से जल्द सड़क नाली निर्माण कार्य पूर्ण रूप से कराया जाएगा बुढार नगर परिषद सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव बुढार।

प्रख्यात अधिवक्ता चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी की स्मृति में तीस हजारी कोर्ट में लंच एवं मीटिंग हॉल का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। जमीन जायदाद एवं मुआवजे के प्रख्यात अधिवक्ता रहे स्व.चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी की स्मृति में तीस हजारी कोर्ट के लंच एवं मीटिंग हॉल का नामकरण उनके नाम पर किया गया। इसकी जानकारी देते हुए प्रख्यात अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि तीस हजारी कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रयास से यह संभव हो सका है। तुगलकाबाद निवासी चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी की पहचान एक महान शिक्षाविद, समाजसेवी एवं प्रख्यात अधिवक्ता के रूप में हैं। बहु प्रतिभा के धनी स्वर्गीय विधूड़ी ने 21 वर्षो तक यूपीएससी में सरकारी नौकरी में रहकर भी अपनी सेवा प्रदान की तथा दिल्ली गुर्जर सभा के महामंत्री के रूप में भी यादगार काम किया।

14 जुलाई 2025 को चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी के नाम से लंच एवं मीटिंग रूम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में पूर्व सांसद दक्षिणी दिल्ली, रमेश बिधूड़ी, प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट × सेशन जज (हेड क्वार्टर) माननीय श्री संजय गर्ग एवम माननीय कुमारी विनीता गोयल, प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट × सेशन जज एवम अन्य माननीय जजो की उपस्थिति में तीस हजारी कोर्ट तथा बार के प्रेसिडेंट डीके शर्मा,सचिव विकास गोयल, बार कौंसिल के सदस्य एवम पूर्व सचिव कुमार मुकेश, बार काउंसिल सदस्य, संजय राठी, साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजपाल कसाना, करनैल सिंह, पूर्व अध्यक्ष, साकेत बार, सचिव अनिल बसोया, नई दिल्ली बार के पूर्व सचिव वीरेन्द्र कसाना,अनिल चौहान, पूर्व विधायक मदन लाल, भगीरथ वर्मा, हिमांशु खारी, प्रदीप नागर, सन्दीप भाटी, ओपी भारती, मुकेश बंसल, हितेश बैसला, निर्देश बिधूड़ी, मनीष चौधरी, संजय चौधरी, राहुल चौधरी, यश चौधरी, जगदेव बिधूड़ी, दुष्यंत बिधूड़ी, रजनीश वर्मा, हितेश वर्मा, हिमांशु वर्मा, लोकेश चौधरी, धर्मेंद्र बसोया, राजेश रेक्सवॉल, आशीष तंवर, मोहित अवाना, आशीष बिधुड़ी, सतीश बिधूड़ी, विनोद बिधुड़ी, हरिचन्द जाखड़,प्रशांत चौधरी के अलावा भारी संख्या में अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि इस महान कार्य का सारा श्रेय तीस हजारी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर डीके शर्मा एवं सचिव श्री विकास गोयल तथा उनकी पूरी टीम को जाता है। अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी स्व. अधिवक्ता चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी को अपना आदर्श मानते हैं तथा उनके पद चिन्हों पर चलते हुए उनकी यश कीर्ति एवं आदर्श को बढ़ाने में दिन रात लगे हैं।अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी की पहचान न सिर्फ जमीन जायदाद संबंधी मामलों के प्रख्यात अधिवक्ता के रूप में है, बल्कि उन्होंने समाज की भी विभिन्न रूपों में लगातार अपनी सेवा से एक अलग पहचान बनायी है। श्री विधूड़ी का कहना है कि स्व. चौधरी स्वरूप सिंह बिधूड़ी उनके प्रेरणा स्रोत हैं तथा वह आजीवन उनके पद चिन्हों पर चलते रहेंगे।

वृंदावन स्थित भारती फूड्स पर खाद्य विभाग का रैपिड एक्शन

● खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी पर डीएम के तेवर बेहद सख्त

उपभोक्ता की षिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने की त्वरित कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात

वृंदावन स्थित भारती फूड्स पर सैंपलिंग करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम।

मथुरा। जिलाधिकारी एसपी सिंह खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी पर बेहद सख्त हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी मिल कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में जुटे हैं। उपभोक्ताओं की शिकायत पर त्वरित संज्ञान लिया जा रहा है। जिलाधिकारी लगातार इस कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इस का असर यह है कि जनपद में माफिया के बीच हड़कंप की स्थिति है। उपभोक्ताओं को भी लगातार जागरूक किया जा रहा है। मनीष सैनी पुत्र वासुदेव सैनी निवासी राजपुर वृंदावन के मुताबिक वृंदावन में एक बेहद प्रतिष्ठित खाद्य प्रतिष्ठान हीरा निकुंज चौराह स्थित भारती फूड से 500 ग्राम मोतीचूर के लड्डू अपने घर पर ठाकुर जी का भोग लगाने के लिए 11 जुलाई की शाम को करीब आठ बजे खरीदे। यह खरीदारी उनकी भाभी ने की थी। 12 जुलाई को सुबह भोग लगाने के लिए इस डिब्बे को खोला गया तो लड्डुओं पर फफूंद लगी हुई थी। मनीष सैनी जब इस डिब्बा को लेकर वापस भारती फूड्स नामक दुकान पर पहुंचे तो वहां मौजूद दुकानदार ने यह कहते हुए कि यह फफूंद नहीं है, लड्डू शुद्ध देसी घी से बने हैं, घी जम गया है मिठाई को वापस लेने और अपनी गलती मानने से इनकार कर दिया है। इसके बाद मनीष सैनी ने इसकी शिकायत खाद्य निरीक्षक को कर दी। शिकायत होने के बाद खाद्य विभाग की ओर से जिस त्वरित गति से कार्यवाही की गई, यह देखकर खुद शिकायतकर्ता भी चकित रह गया। डायल 112 जैसा रिस्पांस टाइम निकालते हुए विभाग की टीम प्रतिष्ठान पर पहुंची और दुकानदार से पूछताछ की जब टीम संतुष्ट नहीं हुई तो शिकायत वाली मिठाई और अन्य कुछ मिठाइयों के सैंपल जांच के लिए संकलित कर पूरी लिखा पढ़ी की। यह देख कर बाजार में अफरातफरी मच गई। विभाग की ओर से की गई इस कार्यवाही के बाद मिलावटखोरों में बेचैनी है। बताया जा रहा है कि जिस तरह से खाद्य सुरक्षा विभाग ने शिकायत पर संज्ञान लिया इस की उम्मीद न तो शिकायतकर्ता को थी और नहीं दुकानदार को। शिकायतकर्ता मनीष सैनी का कहना है कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उनकी शिकायत पर त्वरित संज्ञान लिया गया है। **वर्जन**– जो भी सामग्री दुकान स्वामी के द्वारा बताया गया है जैसे देसी घी, बेसन, मीठा, को बराबर मात्रा में मानक के अनुसार चेक किया जाएगा कि मिठाई में वो शामिल है या नहीं या उसके अंदर कोई फंगस या गंदगी तो मौजूद नहीं है। जिसके कारण मिठाई खराब हुई है जैसी शिकायतकर्ता के द्वारा शिकायत की गई है। दुकान से ताजी मिठाई शिकायकर्ता के सामने ली गई है जिसकी जांच की जाएगी।- ज्ञान पाल सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू चढ़ूनी ने की बैठक

● 16 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष चढ़ूनी की अध्यक्षता में होगी महापंचायत

स्वतंत्र प्रभात

किसान समस्याओं को लेकर धरना देते किसा।

मथुरा। भाकियू चढ़ूनी की बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन सिंह पहलवान की अध्यक्षता में निरीक्षण भवन पर हुई। बैठक में मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर, जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कि तहसीलों में किसानों का उत्पीड़न हो रहा है। किसानों की खतौनी में गड़बड़ी व तहसील स्तर पर पुरानी खतौनियों को बदलकर, हिस्सेदारी में मनमानी कर संपत्ति विवाद बढ़ गया है। इससे किसान कानूनी पचड़ों में फंस रहे हैं। बरौली, अवैरनी, दघेंटा के किसानों के खसरा , खतौनी में रकवा, बल्दियत गलत कर दिए हैं जिससे किसानों के सारे काम रुके पड़े हैं। जिला अध्यक्ष पाराशर ने कहा बिजली विभाग किसानों का शोषण कर रहा है। किसानों को बिल ठीक कराने में पसीना छूट रहा है, अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। किसानों पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। इस साल रिकॉर्ड क्षेत्रफल में धान रोपाई हो रही है दूसरी तरफ किसान खाद की किल्लत व कालाबजारी का सामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद भी जिले में आवारा गोवंश से किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा है। आवारा गौ वंश खेतों को रौंद रहे हैं और बुजुर्ग किसानों पर हमला कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खारे पानी की गंभीर समस्या है, नहर बंबा की सिल्ट सफाई नहीं हुई। प्रशासन किसानों की अनदेखी कर रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 अगस्त को किसान समस्याओं को लेकर बलदेव में महापंचायत आयोजित की जाएगी। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी जी ने सहमति दे दी है। बैठक में कुंतभोज रावत, बिल्ला सिंह सिकरवार, राधेलाल सिकरवार, जगदीश प्रसाद निषाद, डा रमेश चंद्र सिकरवार, विजयपाल सिंह चौधरी, हीरा सिंह चौधरी, रामप्रकाश पुजारी, ओमवीर सिंह, भुल्ली सिंह, सूरज पहलवान, राधेश्याम परिहार, रमेश चंद्र उपाध्याय, श्याम सिंह परिहार, गुड्डू सरपंच, नेमसिंह प्रधान, तेजपाल सिंह तोमर, प्रकाश तोमर, घनश्याम सिंह, होशियार सिंह तोमर, पंचम सिंह, मोहन सिंह, डा श्यामबाबू, संदीप, बच्चू सिंह, मुन्ना लाल, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

खाद बीज में किसानों के साथ नहीं होगा धोखा

● डीएम द्वारा गठित चार टीमों ने मारे 33 छापे

स्वतंत्र प्रभात

खाद बीज की दुकानों पर कार्यवाही करती टीम।

मथुरा। किसानों के साथ खाद बीज जैसी बुनियादी वस्तु में अब किसी तरह का धोखा नहीं होगा। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में उर्वरक की दुकानों पर छापे डालने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। इस दौरान कल 33 छापे डाले गए और गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु उर्वरक के आठ नमूने लिए गए स बिहटा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी बिहटा विकासखंड छाता द्वारा पांच किसानों को उनके जमीनों के अभिलेख देखे बिना 50-50 बोरी यूरिया बिक्री की गई जिसके कारण तत्काल प्रभाव से इनका लाइसेंस निरस्त किया गया स वितरण एवं स्टॉक रजिस्टर तथा स्टॉक एवं रेट बोर्ड न होने के कारण भूमित्र खाद एवं बीज एजेंसी चौमुंहा का लाइसेंस निलंबित किया गया स किसानों को बिना अभिलेख देखें अधिक मात्रा में यूरिया एवं डीएपी की बिक्री करने के कारण एग्री जंक्शन जाचौड़ा. साधन सहकारी समिति बरसाना एवं सहकारी संघ लिमिटेड बरसाना को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया स इसके साथ ही सहकारी समिति बरसाना पर पोस मशीन में 50 बोरी डीएपी प्रदर्शित हो रही थी परंतु मौके पर केवल तीन बोरी डीएपी की पाई गई।

वहीं दूसरी ओर सहकारी संघ लिमिटेड बरसाना पर एक ही दिन में डीएपी की 263 बोरी की बिक्री दिखाई गई जो संदिग्ध प्रतीत हो रही है जिसके कारण इन दोनों समितियां को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया स जनपद के सभी उर्वरक विक्रेता सुनिश्चित कर ले कि प्रत्येक उर्वरक विक्रेता के प्रतिष्ठान पर स्टॉक रजिस्टर बिक्री रजिस्टर स्टॉक एवं रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से होना चाहिए स सभी उर्वरक विक्रेता किसानों को निर्धारित दर पर ही यूरिया डीएपी की बिक्री करें तथा किसी भी किसान को यूरिया डीएपी के साथ अन्य कम प्रचलित उर्वरकों की टैगिंग ना करें अन्यथा उनके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जाएगी स जनपद में 15468 मैट्रिक टन यूरिया एवं 3701 मी ज्ंद डीएपी उपलब्ध है स किसान यूरिया एवं डीएपी का आवश्यकता अनुसार ही प्रयोग करें भविष्य में भी यूरिया डीएपी मिलती रहेगी . इसलिए अनावश्यक भंडारण ना करें।

इलाज कराकर लौट रही महिला की बाइक में टक्कर, मासूम बेटे की मौत से मचा कोहराम

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के सरेनी सेमरी मार्ग पर सोमवार की देर रात तेज रफ्तार बाइक ने बाइक सवार दंपत्ति को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला घायल हो गई, लेकिन उसकी गोद में महज पांच महीने के बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। जबर का पुरवा मजरे चहोतर गांव की रहने वाली सोनी पाल अपने पति संजय के साथ बाइक से पांच माह के बेटे प्रिंस का इलाज कराकर सेमरी से लौट रही थीं। वे जैसे ही सरेनी-सेमरी मार्ग पर सरेनी के निकट पहुंचे, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सोनी, संजय और मासूम प्रिंस तीनों सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों की मदद से तीनों को सीएचसी लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद मासूम प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। मां सोनी पाल गंभीर रूप से घायल थीं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना जैसे ही गांव पहुंची, पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मासूम की मौत से इलाजरत मां बेसुध है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

विकास कार्यों में गुणवत्ता आवश्यक,मानकों के उल्लंघन के दोषी कर्मचारियों को बख्शा नहीं जायेगा- सतीश मिश्रा

● ब्लाक दिवस में ग्रामीणों की समस्याओं का किया गया समाधान

लालगंज (रायबरेली)। सरेनी विकास खंड के सभागार में आयोजित ब्लाक दिवस में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।परियोजना निदेशक सतीश मिश्रा ने कहा कि गांव के विकास कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखना आवश्यक है।मानकों के उल्लंघन के दोषी कर्मचारियों को बख्शा नहीं जायेगा। श्री मिश्रा ने ग्रामीणों की ओर से रखी गई पाँच शिकायतों का समाधान भी किया।खण्ड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि वे गांवों में हो रहे विकास कार्यों, पौधरोपण व सफाई के काम की सतत निगरानी कर रहे हैं। हर गाँव में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देने में कोताही नहीं की जायेगी।विकास कार्यों में शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस अवसर पर रामाशीष, रोहित कुमार, अशोक कुमार, रिचा, रश्मि उपाध्याय, दीक्षा आदि मौजूद रहीं।